

योगी आदित्यनाथ के मठ का कामकाज देखते हैं मुस्लिम कार्यकर्ता



यूपी के नए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक महंत हैं, भगवा कपड़े पहनते हैं, उनकी छवि एक कट्टर हिंदू वाली लगती है, लेकिन उनके मठ के भीतर का वातावरण आपकी इस सोच को बदलकर रख देगा। योगी के मठ के अंदर सांप्रदायिकता का कोई कण नहीं नजर आता। बीते 35 वर्षों से गोरखनाथ मंदिर के अंदर होने वाला हर निर्माण कार्य एक मुस्लिम की निगरानी में होता आ रहा है, यासिन अंसारी ही मंदिर के खर्च का हिसाब-किताब रखते हैं।

टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत के दौरान अंसारी ने बताया, 'मेरे छोटे महाराज(मठ में योगी आदित्यनाथ को छोटे महाराज के नाम से पुकारा जाता है) के साथ बेहद दोस्ताना संबंध हैं। जब भी वह यहां होते हैं, मुझे कॉल करते हैं और काम के बारे में पूरी जानकारी लेते हैं। मैं उनके घर में आजादी से घूमता हूं, उनके किचन में जाता हूं, उनके बेडरूम में भी जाता हूं और उनके साथ खाना भी खाता हूं।' मंदिर के पास कई ऐसी दुकानें हैं, जो मुस्लिम चलाते हैं।

उम्मीद है योगी आदित्यनाथ अपने संघी भाजपाई गिरोह को भी सिखाएंगे सभी जाती धर्मों से से प्रेम करना .. अगर योगी आदित्यनाथ अपने उन संघ /भाजपाई गिरोहो पर लगाम लगाने मे कामयाब हो जाते है जिनका काम दिन रात झूठ अफवाह फैला कर देश मे नफरत और दंगे फैलाना है तो वाकई ए यूपी के बेहतरीन सीएम साबित हो सकते है ...

बातचीत के दौरान अंसारी ने आगे बताया, 'मैंने कई बार योगी आदित्यनाथ को गरीबों की मदद करते देखा है, वह यह नहीं देखते कि कौन किस जाति या धर्म का है। छोटे महाराज शादी समारोहों में शरीक होते हैं।' मंदिर परिसर में एक दुकान चलाने वाली मुस्लिम अजीजुन्निसा ने बताया कि पिछले 35 वर्षों से वह यहां दुकान चला रही हैं, उन्होंने कभी महसूस नहीं किया कि योगी ने किसी को सम्मान न दिया हो या भेदभावपूर्ण व्यवहार किया हो। 20 वर्षों से मंदिर में चूड़ियों की दुकान लगाने वाले मोहम्मद मुताकिम ने बताया, 'मंदिर के अंदर दुकानों और अन्य कामों के जरिए कई मुस्लिम परिवार अपनी रोज़ी-रोटी कमाते हैं, उनमें किसी बात का भय नहीं।'।

यासिन अंसारी ने बताया कि उनके पिता के बड़े भाई महंत दिग्विजयनाथ की पुरोहित बनने की विधि कार्यक्रम में शामिल हुए थे और मंदिर के किचन की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई थी। उन्होंने बताया कि

1977-83 तक वह मंदिर के खजांची थे और 1984 से वह मंदिर के निर्माण कार्यों के सुपरवाइजर के तौर पर काम कर रहे हैं।

गोरखनाथ मंदिर के पहले इंजिनियर निसार अहमद हुआ करते थे, जो बाद में महाराणा प्रताप पॉलिटैक्निक के प्रधानाचार्य बन गए थे। उन्होंने बताया, 'मैं मंदिर का इंजिनियर था। साधना भवन, यात्री निवास, हिंदू सेवाश्रम, मंदिर में दुकानें, गोरखनाथ अस्पताल की नई बिल्डिंग, संस्कृत विद्यालय, राधाकृष्ण मंदिर और कई अन्य मंदिर मेरे दिए डिजाइन के अनुरूप बनाए गए हैं। अब मैं रिटायर हो चुका हूँ।'

योगी आदित्यनाथ को गायों के बहुत प्रेम है और मंदिर में 400 गायें रहती हैं। इन गायों की देखभाल करने वाला मान मोहम्मद भी एक मुस्लिम है। मान बताते हैं, 'पहले मेरे पिताजी यह काम किया करते थे, अब मैं गायों की देखभाल करता हूँ। सुबह 3 बजे उठकर गायों का दूध निकालता हूँ और उन्हें खाने के लिए चारा देता हूँ। छोटे महाराज हम सभी का खयाल रखते हैं।'

योगी मंदिर में ही एक कमरे में रहते हैं। उनके कमरे में अटैच्ड वॉशरूम तो है, लेकिन कोई टीवी या रेडियो सेट नहीं है। उनकी अलमारियों में धार्मिक ग्रंथ और महान लोगों की जीवनियां भरी पड़ी हैं। देश-दुनिया की खबरों के लिए योगी अखबारों पर निर्भर रहते हैं, जो उनकी कुर्सी के पास क्रमबद्ध ढेर में दिखाई देते हैं।

साभार- टाइम्स ऑफ इंडिया से